[श्रीमती सईदा खातून]

राजधानी के सौंदर्यीकरण के नाम पर चलाई गई अतिक्रमण विरोधी मुहिम तहत शहर के विभिन्न भागों से हटाई गई गुमटियों के एवज में अब तक आठ गुना से भी अधिक अर्थात् 6 हजार से भी अधिक गुमटियां आबंटित करने के बाद भी योजनाकारों को संतुष्टि नहीं है और आबंटन का यह सिलसिला अनवरत रूप से जारी है । तुष्टिकरण नीति के तहत शहर के एक सिरे से दूसरे सिरे तक आबंटित गुमटियों की कतारों ने शहर को अपने शिकंजे में कस लिया है । महोदय, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जब बी. जे. पी. सरकार ने अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत शहर की हजारों बस्तियों को सौंदर्यीकरण के नाम पर उजाड़ा था, तभी हमारी समझ में आ गया था कि अभी ये जो उजाड़े गये हैं इनको फिर बसाया जायेगा क्योंकि उसके पीछे भ्रष्टाचार था । कांग्रेसियों ने तो अपने शासनकाल में गरीबों तथा निराश्रितों को बसाया था । हमारा तो यह मानना था कि इस तरह से शासन करो जैसे कि :

"तमाम उम्र इसी कशमकश में गुजारी हमने,
कि आशियां किसी शाखेचमन पे बार न हो"।

लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने जो गुमटियां आबंटन का कार्य शुरू किया है उसमें सुविधा और सौंदर्यीकरण के सारे उपायों को पीछे छोड़ दिया गया है और उसमें भ्रष्टाचार के एक परनाले को बहाया जा रहा है । महोदय, जिस ढंग से गुमटियों का आबंटन हो रहा है यदि इसी रफ्तार से यह चलता रहा तो नगर की सुविधा और सौंदर्यीकरण तो चौपट हो ही जायेगा लेकिन भोपाल सड़क, सफाई, स्वच्छता, यातायात की व्यवस्था की दृष्टि से भी देश के सबसे समस्याग्रस्त नगरों में से पहले नंबर पर इसको पहचानने में देर नहीं लगेगी । झीलों और ताल-तलैयों के इस सुन्दर शहर को गुमटियों के बियाबान में तब्दील होने में देर नहीं लगेगी ।

इसीलिये मेरा केन्द्र सरकार से निवेदन है, अनुरोध है कि केन्द्रीय सरकार फरिश्ता बन कर मध्य प्रदेश की राजधानी का सौंदर्यीकरण करे और गुमटियों की प्रेत छाया से इसे बचाने का कष्ट करे । धन्यवाद ।

3.00 P.M.

Reported Circulation of Fake Currency Notes and Illegal Foreign Postal Stamps in Kerala

SHRI B. V. ABDULLA KOYA (Kerala): Mr. Vice-Chairman, Sir, I would, first of all, thank you for giving me this opportunity of bringing to your notice a matter of high importance. The Mangalam, a popular Malayalam daily, dated 27th November 1991, published an alarming report about the prevailing circulation of fake currency notes of the value of Rs. 100, Rs. 20 and Rs. 10. The paper has also published that fake postal stamps of high value of the Gulf State of UAE are also in circulation in the State of Kerala.

I would like to know whether this serious matter has come to the attention of the Government and especially the attention of the hon. Finance Minister and the Home Minister and what immediate action they propose to take against this so as to save ignorant people from these difficulties. The paper has also published a photo-copy of the currency notes and the stamps. There is also another report in the same paper that a man has been arrested with a bundle of fake notes of the denomination of Rs. 10 in his possession at Kottayam. The Crime Branch Police has already registered nine cases this year alone.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Home Minister, it is for you.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): I have noted it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): The Home Minister has taken note of this serious matter.